



निबंधन संख्या पी0टी0-40

बिहार गजट

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 26 पटना, बुधवार, 10 आषाढ़ 1937 (श0)
1 जुलाई 2015 (ई0)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग-1—नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।	2-3
भाग-1-क—स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश।	---
भाग-1-ख—मैट्रीकुलेशन, आई0ए0, आई0एससी0, बी0ए0, बी0एससी0, एम0ए0, एम0एससी0, लॉ भाग-1 और 2, एम0बी0बी0एस0, बी0एस0ई0, डीप0-इन-एड0, एम0एस0 और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि।	---
भाग-1-ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि	---
भाग-2—बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।	4-5
भाग-3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण।	---
भाग-4—बिहार अधिनियम	---
भाग-5—बिहार विधान मंडल में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---
भाग-7—संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठ अनुमति मिल चुकी है।	---
भाग-8—भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---
भाग-9—विज्ञापन	---
भाग-9-क—वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं	---
भाग-9-ख—निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।	6-6
पूरक	---
पूरक-क	7-10

भाग-1

नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य वैयक्तिक सूचनाएं

सहकारिता विभाग

अधिसूचनाएं

13 जनवरी 2015

सं० 1/सह०रा०स्था०-बि०स०से०(अंके०)स्थाना०-16/2012-142—श्री अभिजीत कुमार रंजन, जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, सहयोग समितियाँ, पूर्णियाँ द्वारा पद त्याग करने के फलस्वरूप रिक्त हुए पद पर श्री मुकेश कुमार, जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, सहयोग समितियाँ, भागलपुर (अतिरिक्त प्रभार जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, सहयोग समितियाँ, कटिहार) को अपने कार्यों के अतिरिक्त जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, सहयोग समितियाँ, पूर्णियाँ का अतिरिक्त प्रभार अगले आदेश तक दिया जाता है।

2. यह व्यवस्था जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, पूर्णियाँ के पद पर नियमित पदस्थापन के पश्चात स्वतः समाप्त हो जायेगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप-सचिव।

1 अप्रिल 2015

सं० 1/सह०रा०स्था०-बि०स०से०(अंके०)स्थाना०-16/2012-1135—श्रीमती अनिता कुमारी, जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, सहयोग समितियाँ, छपरा को जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, सहयोग समितियाँ, गोपालगंज के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए श्री धनंजय कुमार, जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, सहयोग समितियाँ, सिवान (अतिरिक्त प्रभार जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, वैशाली) को अपने कार्यों के अतिरिक्त जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, सहयोग समितियाँ, गोपालगंज का अतिरिक्त प्रभार अगले आदेश तक दिया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप-सचिव।

8 अप्रिल 2015

सं० 1/सह०रा०स्था०-(स्थाना०)-56/2013-1189—श्री मनोज कुमार शर्मा, तत्कालीन जिला सहकारिता पदाधिकारी—सह- सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, मुंगेर द्वारा विभागीय अधिसूचना संख्या-4463 दिनांक 24.11.2014 द्वारा निलम्बन मुक्त किये जाने के फलस्वरूप सहकारिता विभाग में दिनांक 01.12.2014 को पदस्थापन की प्रतीक्षा के रूप में दिये गये योगदान के आलोक में उन्हें जिला सहकारिता पदाधिकारी, बेगुसराय के पद पर तत्कालिक प्रभाव से पदस्थापित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप-सचिव।

10 अप्रिल 2015

सं० 1/सह०रा०स्था०-(स्थाना०)-07/2014-1213—श्री नागेन्द्र प्रसाद, उप निबंधक, सहयोग समितियाँ (न्या०), बिहार, पटना को उप निबंधक, सहयोग समितियाँ, कोशी प्रमंडल, सहरसा के पद पर तत्कालीक प्रभाव से पदस्थापित करते हुए संयुक्त निबंधक, सहयोग समितियाँ, कोशी प्रमंडल, सहरसा एवं जिला सहकारिता पदाधिकारी, सहरसा का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप-सचिव।

10 अप्रिल 2015

सं० 01/रा०स्था०-बि०स०से०-पद-79/2007-1216—श्री दिनेश कुमार, सहायक निबंधक (अ.र.), सहयोग समितियाँ, बिहार, पटना को स्वास्थ्य कारणों के आधार पर दिनांक 21.11.2012 से 23.01.13 तक उपार्जित अवकाश की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप-सचिव।

10 अप्रैल 2015

सं० 01/रा०स्था०-बि०स०से०-पद-75/2007-1227—श्री अजय कुमार अलंकार, जिला सहकारिता पदाधिकारी, बक्सर को अपने पिता के ईलाज के निमित्त दिनांक 01.12.14 से 31.12.14 तक उपभोगित कुल 31 (एक्तीस) दिनों की उपार्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप—सचिव।

27 मई 2015

सं० 01/रा०स्था०-बि०स०से०-04/06-1767—श्री ललन शर्मा, उप निबंधक, सहयोग समितियाँ, भागलपुर प्रमण्डल, भागलपुर को बिहार सेवा संहिता के नियम 227, 229, 230 एवं 248 (क) के तहत दिनांक 17.07.14 से 28.07.14 तक अर्थात् कुल 12 (बारह) दिनों का उपार्जित अवकाश की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप—सचिव।

29 मई 2015

सं० 01/सह०रा०स्था०(बि०स०से०) निजी-07/2013-1793—श्री अरुण कुमार, तत्कालीन सहायक, पंचायती राज विभाग, पटना सम्प्रति सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, पटौरी अंचल का हड़ताल अवधि दिनांक 16.01.2009 से 09.02.2009 तक कुल 25 (पच्चीस) दिनों का उपार्जित अवकाश वित्त विभाग के संकल्प-1789 दिनांक 20.02.14 के आलोक में स्वीकृत किया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप—सचिव।

29 मई 2015

सं० 01/सह०बि०स०स०-निजी-32/2011-1794—श्री जमाल जावेद आलम, संयुक्त निबंधक, सहयोग समितियाँ, पटना प्रमंडल, पटना को अपनी पुत्री की चिकित्सा हेतु दिनांक-21.03.15 से दिनांक 07.04.15 तक कुल 18 (अठारह) दिनों की उपार्जित छुट्टी की घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की जाती है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप—सचिव।

29 मई 2015

सं० 1/सह०राज०स्था०(स्थाना०)-07/2014-1795—श्री नागेन्द्र प्रसाद, उप निबंधक, सहयोग समितियाँ, कोशी प्रमंडल, सहरसा को अपने कार्यों के अतिरिक्त तत्कालीक प्रभाव से सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, सहरसा का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप—सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 15—571+100-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-2

बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।

उद्योग निदेशालय

आदेश

15 जुलाई 2014

सं० 1/उ० नि० अनुकम्पा नियुक्ति - 02/13-3046—समान्य प्रशासन विभाग, बिहार के परिपत्र संख्या 13293, दिनांक 15.10.1991 एवं पत्रांक 2822, दिनांक 27.04.1995 के अनुसार जिला अनुकम्पा समिति बेगुसराय के ज्ञापांक 63/स्था० दिनांक 16.01.14 के क्रमांक 05 के द्वारा प्राप्त अनुशंसा एवं उद्योग निदेशालय, बिहार की उप अनुकम्पा समिति की बैठक दिनांक 25.06.14 के क्रमांक 1, ज्ञापांक 2117, दिनांक 27.06.14 के अनुशंसा के आलोक में श्री मनोज कुमार, माता-स्व० माया रानी भूतपूर्व निम्नवर्गीय लिपिक, जिला उद्योग केन्द्र, बेगुसराय को उनके नाम के सम्मुख अंकित पदनाम, वेतनमान एवं कार्यालय में समय-समय पर सरकार द्वारा मिलने वाले भत्ते एवं अन्य अनुमान्य भत्तों पर अस्थायी रूप से उनके योगदान की तिथि से निम्नांकित शर्त के साथ अनुकम्पा के आधार पर नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	मृत सरकारी सेवक के आश्रित का नाम एवं पता	पदनाम	वेतनमान	कार्यालय का नाम जहाँ नियुक्त का पदस्थापित किया गया।
1	श्री मनोज कुमार, माता स्व० माया रानी, भूतपूर्व निम्नवर्गीय लिपिक, जिला उद्योग केन्द्र, बेगुसराय, सम्प्रति- मोहल्ला- शास्त्रीनगर, पो०-लक्ष्मी सागर, जिला-दरभंगा, बिहार, पीन कोड-846009	आदेशपाल	वेतन वैण्ड 5200-20200 / ग्रेड पे 1800/-	जिला उद्योग केन्द्र, दरभंगा।

2. शर्त निम्नलिखित है:-

- इनकी नियुक्ति अस्थायी है और बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।
- पदभार ग्रहण करते समय इन्हें असैनिक शल्य-चिकित्सक/चिकित्सा पदाधिकारी का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।
- पदभार ग्रहण करते समय इन्हें किसी प्रकार का भत्ता देय नहीं होगा।
- पदभार ग्रहण करते समय घोषणा-पत्र देना होगा कि शादी में किसी प्रकार का तिलक-दहेज का लेनदेन नहीं करेंगे।

3. पदभार ग्रहण करते समय निम्न घोषणा देना होगा।

मैंमाता/पिता का नाम..... पदनाम
पता.....घोषणा करता/करती हूँ कि मैं मृत सरकारी सेवक..... आश्रित परिवार का भरण पोषण करूँगा/करूँगी। मैं इस बात की भी घोषणा करता/करती हूँ। कि मुझे इस बात की जानकारी है कि मृतक के आश्रित परिवार के देख-भाल में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर नियुक्त पदाधिकारी के द्वारा मेरी सेवा बगैर सूचना के समाप्त कर दी जायेगी।

दो निष्पक्ष गवाहों का हस्ताक्षर, पूरा नाम

नियुक्त कर्मचारी का हस्ताक्षर एवं पता

-
-

4. यह स्पष्ट किया जाता है कि अगर नियुक्त व्यक्ति द्वारा मृतक के आश्रित परिवार के भरण-पोषण में किसी प्रकार की त्रुटि की जाती है तो नियुक्त पदाधिकारी द्वारा कारण पृच्छा प्राप्त कर इनकी सेवा समाप्त कर दी जाएगी।

5. यदि किसी समय यह तथ्य प्रकट होता है कि गलत एवं कागजातों के आधार पर अनुकम्पा आधारित नियुक्ति प्राप्त की गयी है तो नियुक्ति प्राधिकार द्वारा कारण पृच्छा प्राप्त कर सेवा समाप्त कर दी जायेगी।

6. योगदान देते समय कार्यालय प्रधान के समक्ष सभी मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जायेगा अन्यथा योगदान स्वीकृत नहीं किया जायेगा। उसकी जाँच कर ली जाय।

7. पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के अन्दर योगदान सुनिश्चित करना होगा अन्यथा यह नियुक्ति आदेश स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

8. इस मामले में राज्य में प्रवृत्त नई पेंशन योजना लागू होगी।
9. यह नियुक्ति जिला अनुकम्पा समिति बेगुसराय के ज्ञापांक 63/स्था० दिनांक 16.01.14 के क्रमांक 05 पर अंकित अनुशंसा के आलोक में की जा रही है।
10. शैक्षणिक प्रमाण-पत्र के संदर्भ में प्रतिकूल प्रतिवेदन प्राप्त होने पर कारण-पृच्छा प्राप्त कर नियुक्ति रद्द कर दी जायेगी।

आदेश से,
(ह०) अस्पष्ट, उद्योग निदेशक।

सहकारिता विभाग

शुद्धि-पत्र

21 अप्रैल 2015

सं० 1/सह०राज०स्था०(स्थाना०)-07/2014-1338—विभागीय अधिसूचना संख्या-1213 दिनांक 10.04.2015 द्वारा श्री नागेन्द्र प्रसाद, उप निबंधक, सहयोग समितियाँ (न्या०), बिहार, पटना को संयुक्त निबंधक, सहयोग समितियाँ, कोशी प्रमंडल, सहरसा का दिये गये अतिरिक्त प्रभार को कार्यकारी व्यवस्था के तहत माना जाय।

उक्त विभागीय अधिसूचना को इस हद तक संशोधित समझा जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 15—571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-9(ख)

निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय, सूचनाएं
और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।

सूचना

No. 792—I, Pratyush, S/o Birendra Kumar, R/o Navratanpur Mandir Road, Opposite Sumangal Bhawan, Postal Park Main Road, Patna – 1, Bihar declare vide Affidavit No. 565 dated 09.01.2015 that now onwards I shall be known as Pratyush Kumar for all purposes.

PRATYUSH.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 15—571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

बिहार गजट

का

पूरक(अ०)

प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

अधिसूचनाएं
25 मई 2015

सं० 5 नि०गो०वि० (5) 12/2013-213 नि०गो—डा० जागेश्वर लाल, तदेन रक्षित पशु चिकित्सा पदाधिकारी, दरभंगा संप्रति भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी, हसनपुर (समस्तीपुर) को विभागीय अधिसूचना सं०-281-282 नि०गो० दिनांक 05.05.2014 के द्वारा अगली तीन वार्षिक वेतन वृद्धियों संचयात्मक प्रभाव से रोके जाने की शास्ति प्रदान की गयी थी।

उक्त शास्ति के विरुद्ध डा० लाल द्वारा अनुशासनिक प्राधिकार के समक्ष पुनर्विचार अभ्यावेदन समर्पित किया गया। डा० लाल द्वारा समर्पित अभ्यावेदन की समीक्षा की गयी तथा समीक्षोपरान्त सरकार द्वारा डा० लाल को दी गई शास्ति में संशोधन करते हुए दो वार्षिक वेतन वृद्धियों संचयात्मक प्रभाव से रोके जाने का निर्णय लिया गया है।

उक्त प्रस्तावित दण्ड पर विभागीय पत्रांक-826 नि०गो० दिनांक 05.12.2014 के द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग से मंतव्य की अपेक्षा की गयी। उक्त आलोक में बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-(2640) लो०से०आ० दिनांक 09.02.2015 के द्वारा उक्त दण्ड प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की गयी।

अतः उक्त निर्णय के आलोक में विभागीय अधिसूचना संख्या 281-882 नि०गो० दिनांक 05.05.2014 में संशोधन करते हुए डा० जागेश्वर लाल, तदेन रक्षित पशु चिकित्सा पदाधिकारी, दरभंगा संप्रति भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी, हसनपुर (समस्तीपुर) की अगली दो वार्षिक वेतन वृद्धियों संचयात्मक प्रभाव से रोके जाने की शास्ति प्रदान की जाती है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
ब्रजेश्वर पाण्डेय, अवर सचिव।

19 जून 2015

सं० नि०गो०वि० (8) 29/2014-231 नि०गो०—श्री शैलेन्द्र कुमार वर्मा, प्रभारी जिला मत्स्य पदाधिकारी, अरवल को विभागीय अधिसूचना-1942 दिनांक 26.06.2014 एवं शुद्धि पत्र ज्ञापांक-1982 दिनांक 30.06.2014 के द्वारा स्थानान्तरित करते हुये प्रभारी जिला मत्स्य पदाधिकारी, शेखपुरा के पद पर पदस्थापित किया गया था।

2. उक्त आदेश के आलोक में स्थानान्तरित पद पर श्री वर्मा द्वारा योगदान नहीं किया गया अतएव सरकारी आदेश की अवहेलना करने के लिए विभागीय अधिसूचना-603 नि०गो० दिनांक 02.09.2014 के द्वारा श्री वर्मा को निलंबित किया गया।

3. श्री वर्मा के निलंबन के विरुद्ध प्राप्त अभ्यावेदन पर सरकार द्वारा मामले की समीक्षा की गयी, समीक्षोपरांत पाया गया कि श्री वर्मा दिनांक 31.07.2014 को अपने स्थानान्तरित पद/स्थान पर योगदान कर चुके हैं अतएव उक्त आलोक में भविष्य में विभागीय आदेश का ससमय पालन करने हेतु निदेशित करते हुये श्री वर्मा को निलंबन से मुक्त करने का निर्णय लिया गया है।

4. उक्त परिप्रेक्ष्य में भविष्य में विभागीय आदेश का ससमय पालन करने हेतु निदेशित करते हुये श्री शैलेन्द्र कुमार वर्मा को निलंबन से मुक्त किया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
ब्रजेश्वर पाण्डेय, अवर सचिव।

सहकारिता विभाग

अधिसूचनाएं
19 मई 2015

सं० 08/नि.को.(रा.)विभागीय-714/2012(पार्ट)-1622—डा. पारसनाथ प्रसाद, तत्कालीन जिला सहकारिता पदाधिकारी, मधेपुरा सम्प्रति निलंबित को मंत्रिमंडल (निगरानी) विभाग के निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना के धावादल द्वारा दिनांक 23.06.2010 को 35,000/- (पैंतीस हजार रुपये) रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था एवं इनके विरुद्ध निगरानी थाना कांड संख्या-48/2010 दर्ज है। मामला माननीय न्यायालय में लंबित रहते तथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही के संचालनार्थ विभागीय अधिसूचना संख्या-4339, दिनांक 08.10.2010 द्वारा डा. प्रसाद को अगले आदेश तक निलंबित किया गया था तथा विभागीय संकल्प ज्ञापक-4366 दिनांक 11.10.2010 द्वारा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गई है। डा. प्रसाद के विरुद्ध माननीय न्यायालय में दायर फौजदारी मुकदमा एवं संचालित विभागीय कार्यवाही विचाराधीन है।

2. डा० प्रसाद के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में दायर सी.डब्लू.जे.सी. संख्या-15840/2013 में दिनांक 02.01.2014 को पारित आदेश एवं विद्वान महाधिवक्ता के परामर्श के आलोक में डा. पारसनाथ प्रसाद, निलंबित जिला सहकारिता पदाधिकारी के मामले में सम्यक् विचारोपरान्त राज्य सरकार ने निम्नांकित निर्णय लिया है :-

- (i) डा. प्रसाद को अगले आदेश तक के लिए निलंबन मुक्त किया जाता है।
- (ii) माननीय न्यायालय का आदेश प्राप्त होने एवं विभागीय कार्यवाही के जाँच प्रतिवेदन/ अधिगम प्राप्त होने पर तदनु रूप कार्रवाई की जायेगी।
- (iii) संचालन पदाधिकारी को निदेश दिया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय में दायर सी.डब्लू.जे.सी. संख्या-15840/2013 में दिनांक 02.01.2014 को पारित आदेश के अनुपालन में अविलम्ब जाँच प्रतिवेदन/ अधिगम विभाग को उपलब्ध कराने की कृपा जाय।

3. निलंबन मुक्त होने के पश्चात् डा. प्रसाद का मुख्यालय सहकारिता विभाग, बिहार, पटना निर्धारित किया जाता है। जहाँ वे अपना योगदान समर्पित करेंगे।

4. डा. प्रसाद के योगदान स्वीकृति एवं पदस्थापन विभाग के स्थापना शाखा-01 द्वारा कार्रवाई की जायेगी।

5. इस आदेश में माननीय मुख्यमंत्री, बिहार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप-सचिव (निगरानी)।

10 अप्रैल 2015

सं० 8/नि०को०(रा०)विभागीय-704/2015-1228—श्री मनोज कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी, सहरसा को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार, पटना के धावा दल द्वारा दिनांक 12.03.15 को 70,000/- (सत्तर हजार रुपये) रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इस क्रम में श्री कुमार के विरुद्ध निगरानी थाना काण्ड संख्या-020/2015, दिनांक 12.03.15 दर्ज किया गया है। श्री कुमार 48 घण्टों से अधिक अवधि के लिए न्यायिक हिरासत में आदर्श केन्द्रीय कारा बेउर, पटना में निरुद्ध है।

2. उक्त के आलोक में लोकहित में बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम-9 (2) (क) के तहत श्री कुमार को दिनांक 12.03.2015 के प्रभाव से अगले आदेश तक निलंबित किया जाता है।

3. निलंबन अवधि में श्री कुमार को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 10(3) के तहत उन्हें नियमानुसार देय जीवन निर्वाह भत्ता का भुगतान उनके प्राधिकार पत्र के आधार पर उनके नांकित आश्रित को किया जा सकेगा। ऐसे जीवन निर्वाह भत्ता का भुगतान उसी स्थापना द्वारा किया जायेगा, जहाँ ये कारावास में जाते समय पदस्थापित थे। कारावास से मुक्त होने के पश्चात इनका मुख्यालय संयुक्त निबंधक, सहयोग समितियाँ, पटना प्रमंडल, पटना निर्धारित किया जाता है।

4. उक्त के क्रम में श्री कुमार के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-17 के तहत अलग से की जायेगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप-सचिव (निगरानी)।

28 जनवरी 2015

सं० 8/नि०को०(रा०)निग०-109/12-340—श्री भरोसा राम, जिला सहकारिता पदाधिकारी, नवादा सम्प्रति सेवानिवृत्त को वारिसलीगंज मत्स्यजीवी स्वावलम्बी सहकारी समिति के सचिव श्री राजीव रंजन राय से 10,000.00 (दस हजार) रुपये घुस लेते हुए निगरानी दस्ते द्वारा रंगे हाथ गिरफ्तार किये जाने तथा श्री राम के विरुद्ध निगरानी थाना काण्ड संख्या-10/2007 दिनांक 20.01.2010 दर्ज किये जाने के फलस्वरूप विभागीय संकल्प संख्या-488 दिनांक 20.02.2007 द्वारा दिनांक 20.01.2007 के प्रभाव से श्री राम को निलम्बित कर विभागीय संकल्प संख्या-968 दिनांक 16.04.2009 द्वारा इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ की गयी थी।

2. श्री राम के दिनांक 31.07.2010 को सेवानिवृत्त हो जाने के कारण विभागीय कार्यवाही को बिहार पेंशन नियमावली के नियम 43(बी) के तहत सम्पत्तिवर्तित कर उक्त गम्भीर कदाचार के मामले में दोषी पाये जाने के आलोक में श्री राम को विभागीय अधिसूचना संख्या-1380 दिनांक 26.03.14 से राम को निम्नांकित दंड संसूचित किया गया :-

(1) रोक रखी गयी 10% पेंशन एवं उपादान का भुगतान नहीं किया जायेगा। अधिसूचना निर्गत की तिथि से 100% (शत प्रतिशत) पेंशन स्थायी रोक रखा जायेगा।

(2) सम्पूर्ण निलम्बन अवधि के लिए पूर्व प्रदत्त जीवन निर्वाह भत्ता के अतिरिक्त कुछ भी देय नहीं होगा।

3. उल्लिखित दंडादेश के विरुद्ध श्री भरोसा राम (सेवानिवृत्त) ने महामहिम राज्यपाल महोदय, द्वारा प्रधान सचिव, सहकारिता विभाग के समक्ष बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम 24 (2) के तहत दिनांक 07.08.14 को अपना पुनर्विलोकन हेतु अर्जी समर्पित किया।

4. उक्त पुनर्विलोकन अर्जी के समीक्षोपरान्त राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि श्री भरोसा राम का 50% पेंशन 5 (पाँच) वर्षों के लिए रोक लगायी जाय।

5. अतः वर्णित परिस्थिति में विभागीय अधिसूचना संख्या-1380 दिनांक 26.03.2014 (छाया प्रति संलग्न) द्वारा निर्गत दंड में निम्नांकित संशोधन किया जाता है :-

श्री भरोसा राम, जिला सहकारिता पदाधिकारी, नवादा (सेवानिवृत्त) को 50% पेंशन 5 (पाँच) वर्षों के लिए रोक लगायी जाती है।

अधिसूचना संख्या-1380 दिनांक 26.03.14 का शेष दंडादेश यथावत् रहेगा।

6. उपर्युक्त दंड पर मंत्रिपरिषद का अनुमोदन प्राप्त है।

7. विभागीय अधिसूचना ज्ञापांक-1380 दिनांक 26.03.14 को इस हद तक संशोधित समझा जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप-सचिव (निगरानी)।

11 फरवरी 2015

सं० 8/नि०को०(रा०)विभागीय-709/14-468—श्री मनोज कुमार, तत्कालीन जिला सहकारिता पदाधिकारी, दरभंगा सम्प्रति जिला सहकारिता पदाधिकारी, सहरसा के विरुद्ध धान अधिप्राप्ति में लापरवाही एवं कार्यों के प्रति उदासीनता बरतने के आरोप में जिला पदाधिकारी, दरभंगा द्वारा श्री कुमार के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा की गयी थी। इस संदर्भ में श्री कुमार से विभागीय पत्रांक-2609 दिनांक 02.07.14 से स्पष्टीकरण पूछा गया था। श्री कुमार से प्राप्त स्पष्टीकरण की सम्यक समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री मनोज कुमार द्वारा यह कहा जाना कि फसल क्षति और धान के कम उत्पादन का आँकड़ा कृषि विभाग से प्राप्त किया जाता है, राज्य खाद्य निगम के केन्द्रों के विलम्ब से क्रियाशील होने/राशि का विलम्बित यत्र चालन एवं पैक्सों पर अनावश्यक सूद भारित होने आदि के कारण धान अधिप्राप्ति में विलम्ब हुआ, भ्रामक है। अतः इनका स्पष्टीकरण स्वीकार योग्य नहीं है।

अतः श्री कुमार के विरुद्ध जिला पदाधिकारी, दरभंगा द्वारा लगाये गये आरोप प्रमाणित होते हैं, जिसके लिए वे दोषी हैं।

अतः उक्त प्रमाणित आरोप के लिए श्री कुमार को दो वार्षिक वेतनवृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोके जाने का दण्ड संसूचित किया जाता है।

इसमें माननीय मुख्यमंत्री का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप-सचिव (निगरानी)।

25 मई 2015

सं० 8/नि०को०(रा०)परि०-244/2012-1740—श्री सतीश कुमार सिंह, तत्कालीन प्रबंध निदेशक, केन्द्रीय सहकारी बैंक लि., औरंगाबाद सम्प्रति जिला सहकारिता पदाधिकारी—सह—सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, जमुई के विरुद्ध अपने पद पर रहते नियम विरुद्ध वर्ष 2004-05 में एक ही परिवार एवं संबंधी को के.सी.सी. ऋण देने, फसल बीमा का लाभ देने, बैंक के गेस्ट हाउस में रहते हुए आवासन भत्ता लेने तथा उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने के आरोपों को लेकर उनके विरुद्ध आरोप पत्र (प्रपत्र—“क”) गठित कर विभागीय संकल्प संख्या-5023 दिनांक 07.12.2010 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गई।

इस विभागीय कार्यवाही में संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन के कतिपय बिन्दुओं पर असहमत होते हुए आरोपित पदाधिकारी से विभागीय पत्रांक-712 दिनांक 11.02.2014 से द्वितीय कारण पृच्छा की गई। श्री सिंह से प्राप्त द्वितीय कारण पृच्छा प्रत्युत्तर के समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री सिंह का उत्तर सुविचारित तथा परस्पर विरोधी तथा स्वीकार्ययोग्य नहीं है। द्वितीय कारण पृच्छा में अपने बचाव बयान में मनगढ़ंत तर्कों एवं तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया गया है। बैंक के गेस्ट हाउस का कमरा आवास के रूप में रहते हुए आवास भत्ता प्राप्त कर इनके द्वारा निजी तौर पर उस कमरे का किराया भुगतान किया गया। बाद में गेस्ट हाउस को स्थायी रूप से अपना आवास घोषित करना भी किसी भी दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता है, जो कि सरकारी पदाधिकारी के आचरण के सर्वथा प्रतिकूल है।

श्री सिंह द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा संतोषप्रद नहीं पाये जाने के फलस्वरूप इन्हें “कालमान वेतन में निम्नतर प्रक्रम पर तीन वर्षों के लिए अवनति, इन निदेशों के साथ कि ऐसी अवनति के दौरान सरकारी सेवक वार्षिक वेतन वृद्धियाँ अर्जित नहीं करेगा तथा ऐसी अवधियों की समाप्ति के बाद उक्त अवनति का प्रभाव उसकी भावी वेतन वृद्धियों को स्थगित रखने पर होगा” का दण्ड संसूचित करने का निर्णय लिया गया जिसपर माननीय मुख्यमंत्री का अनुमोदन प्राप्त है।

चूँकि सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र संख्या 3/एम.-146/2005 का.-2609 दिनांक 15.09.2006 में कहा गया है कि “भारतीय संविधान के अनुच्छेद 320 के खण्ड (3) के उप खण्ड (ए) के अनुसार अनुशासनिक मामले में प्रस्तावित दण्ड पर अंतिम निर्णय लेने के पूर्व बि.लो.से.आयोग से परामर्श किये जाने और प्राप्त परामर्श पर विचार किये जाने की अनिवार्यता है।” अतएव इस नियम के आलोक में विभागीय पत्रांक-1636 दिनांक 11.04.2014 से अनुमोदित दण्ड पर बिहार लोक सेवा आयोग से सहमति की मांग की गयी। बिहार लोक सेवा आयोग ने अपने पत्रांक-1391 दिनांक 12.09.2014 द्वारा अपने परामर्श में अधिरोपित शास्ति को अनुपातिक नहीं मानते हुए अपनी असहमति व्यक्त की।

उपरोक्त के पश्चात पुनः मामले की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में सामान्य प्रशासन विभाग का मतव्य है कि, “आयोग के उक्त परामर्श से सक्षम प्राधिकार अगर सकारण असहमत होते हुए प्रस्तावित दण्ड को पुनः अनुमोदित कर देता है तो इसके बाद पुनः अनुमोदित दण्ड पर आयोग के परामर्श की अपेक्षा नहीं रह जाती है। अन्यथा यह एक अंतहीन प्रक्रिया (End-less Process) हो जायेगी” इस निमित्त आयोग के परामर्श से असहमत होते हुए अधिरोपित शास्ति में आंशिक संशोधन करते हुए “कालमान वेतनमान में निम्नतर प्रक्रम पर दो वर्षों के लिए अवनति, इन निदेशों के साथ कि ऐसे अवनति के दौरान सरकारी सेवक वार्षिक वेतनवृद्धियाँ प्राप्त नहीं करेगा तथा ऐसी अवधि की समाप्ति के पश्चात उक्त अवनति का प्रभाव उनके दो वेतनवृद्धियों को स्थगित रखने पर होगा, का निर्णय लिया गया है, जिसपर माननीय मुख्यमंत्री का अनुमोदन प्राप्त है।

अतएव उक्त प्रमाणित आरोप के लिए श्री सतीश कुमार सिंह, तत्कालीन प्रबंध निदेशक, केन्द्रीय सहकारी बैंक लि., औरंगाबाद सम्प्रति जिला सहकारिता पदाधिकारी—सह—सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, जमुई को निम्नांकित दण्ड संसूचित किया जाता है :-

1. कालमान वेतन में निम्नतर प्रक्रम पर दो वर्षों के लिए अवनति, इन निदेशों के साथ कि ऐसे अवनति के दौरान सरकारी सेवक वार्षिक वेतन वृद्धियाँ प्राप्त नहीं करेगा तथा ऐसी अवधि की समाप्ति के पश्चात उक्त अवनति का प्रभाव उनके दो वेतनवृद्धियों को स्थगित रखने पर होगा।
2. इस विभागीय कार्यवाही को समाप्त की जाती है।
3. यह आदेश अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से प्रभावी होगा।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
कामेश्वर प्रसाद, उप—सचिव (निगरानी)।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 15—571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>